शाहपुरा के बोरड़ा गांव में कोयला माफिया ने अस्सी बीघा जंगल को बर्बाद किया

सूचना पर पहुंचे फॉरेस्टर विश्राम मीणा पर कोयला माफिया ने जेसीबी चढ़ाकर कुचलने की कोशिश की

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान के जोधपुर में खेजडली गांव में पेड़ों को बचाने के लिए आंदोलन हुए। लोगों ने अपनी जान तक गवां दी। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में बबूल को बचाने के लिए पूरा गांव आंदोलन में जुट गया है, लेकिन शाहपुरा के बोरड़ा गांव में 700 बीघा जंगल में से करीब 80 बीघा जंगल को कोयला माफिया ने रातों-रात बर्बाद कर दिया। राजनीतिक संरक्षण और वन विभाग की मिलीभगत के चलते कोयला माफिया के हौसले बुलंद हो रखे हैं।

ग्रामीणों का यहां तक आरोप है कि क्षेत्र के नेताओं और विभाग के कुछ अधिकारियों के बीच डेढ़ करोड़ रूपये तक की बंदरबांट हुई है। इसका ही नतीजा है कि बिना टेंडर किए रातों-रात एक दर्जन से ज्यादा जेसीबी मशीनों को जंगल में ले जाकर 80 बीघा जंगल को साफ कर दिया गया। इस जंगल की लकड़ियों को माफिया कोयले की भट्ठियों में झोंक भी देता लेकिन ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। इसकी सूचना उन्होंने फॉरेस्टर विश्राम मीणा को सूचना दी। मीणा अपने गार्ड के साथ जंगल में पहुंच गए, लेकिन कोयला माफिया उन पर ही जेसीबी चढ़ा कर कुचलने की कोशिश की। जंगल को बचाने और माफिया को पकड़ने फॉरेस्टर विश्राम मीणा और ग्रामीणों ने रेंजर प्रभु लाल को कई फोन किए उसके बावजूद भी रेंजर प्रभु लाल ने पहले तो घटनाक्रम से अनभिज्ञता जाहिर कर दी लेकिन जब उसे लगा कि ग्रामीण बड़ी संख्या मौके पर जमा है और माफियाओं को घेरने की कोशिश कर रहे हैं तब उसने उन्हें शांत करने के लिए झूठे ही टेंडर होने की बोल दिया। साथ ही कहा कि इसके दस्तावेज सरकारी पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं, लेकिन जब ग्रामीणों ने कहा कि टेंडर अगर हो रखा है तो 80 बीघा जमीन

बोरड़ा गांव में कोयला माफिया ने पेड़ों को काट दिया।

मौके पर पहुंची जांच टीम ने ग्रामीणों से जानकारी ली।

- अपनी जान पर खेलकर फॉरेस्टर मीणा और ग्रामीणों ने कोयला माफिया को लकड़िया नहीं ले जाने दी, लेकिन वे फरार होने में कामयाब रहे
- बोरडा गांव के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग के जयपुर मुख्यालय पर की, तब जाकर जांच कमेटी का गठन कर बोरड़ा गांव के जंगल में भेजा
- बिना टेंडर किए कोयला माफिया ने रातों-रात एक दर्जन से ज्यादा जेसीबी मशीनों से जंगल को साफ किया

जंगल बर्बाद करने वाले माफिया जेसीबी लेकर भाग क्यों रहा है और आप मौके पर जाब्ते क्यों नहीं पहुंच रहे हो तो रेंजर प्रभू लाल से कुछ बोला नहीं गया।

फॉरेस्टर और ग्रामीणों ने जंगल की लकड़ी नहीं ले जाने दी :- कोयला माफिया के आंतक के सामने फॉरेस्टर मीणा और ग्रामीणों ने झुकने से इनकार कर दिया। अपनी जान पर खेलकर कोयला माफिया को लकड़िया नहीं ले जाने दी लेकिन वे लग्जरी गाड़ियों को लेकर फरार हो गए। बोरडा गांव के लोग तीन रात और दिन से जंगल में रहकर कटी हुई लकड़ी की निगरानी कर रहे हैं। इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग के जयपुर मुख्यालय पर की। तब जाकर मामला उछला और वहां से जांच कमेटी का गठन करके शाहपुरा के बोरड़ा गांव के जंगल में भेजा। डीएफओ अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कमेटी 8 नवंबर को गांव में पहुंची। उन्होंने वहां ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। 80 बीघा जंगल का मौका निरीक्षण किया। नुकसान का पता लगाने के लिए एक हेक्टेयर जमीन में पेड़ों की संख्या का आकलन करने के लिए विजिलेंस टीम ने इसकी जिम्मेदारी स्थानीय अधिकारी को दी। उसके बाद घटना का पंचनामा बनाया गया। टीम ने ये भी माना कि जंगल में जहां पेड़ों की कटाई की गई उसको लेकर किसी भी तरह का विभाग की ओर से टेंडर जारी नहीं किया गया है। अभी तक जो कटाई हुई वह पूरी तरह से गैर कानूनी है। जिसके खिलाफ विजिलेंस टीम गाहनता से जांच कर रही है। स्थानीय वन विभाग की ओर से दस्तावेज भी मंगाए जा रहे हैं ताकि डिटेल में जांच की जा सके। रेंजर प्रभु लाल की भूमिका के साथ ही एसीएफ मुन्नी चौधरी और डीएफओ गौरव गर्ग की कार्य प्रणाली भी संदिग्ध बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम के पीछे दोनों ही पार्टियों के नेताओं की मिलीभगत बताई जा रही है। ग्रामीण दबी जुबान में सभी का नाम बता रहे है लेकिन कुछ भी बोलने से डरते है।

80 बीघा जंगल बर्बाद करने वाला कोयला माफिया पीरू मोहम्मद :- बताया जा रहा है कि इस जंगल से 8 किलोमीटर दूर खातनखेड़ी गांव का निवासी पीरू मोहम्मद इस इलाके का कोयला माफिया है। उसने एक दर्जन से अधिक जेसीबी ले जाकर रातों रात 80 बीघा जंगल बर्बाद कर दिया। लकड़िया भी ले जाता लेकिन इसकी सूचना ग्रामीण और फॉरेस्टर विश्राम मीणा को हो गई। एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें पीरू मोहम्मद किसी से फोन पर बात कर रहा है कि ये विश्राम मीणा कौन है। ये हमारे बीच आ रहा है। इसके बाद फोन पर आवाज आती है कि जो भी सब पर जेसीबी चढ़ा दो। फिर वहां जेसीबी लेकर फरार हो जाता है। विश्राम मीणा ने पीरू मोहम्मद के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जिला जेल में कांस्टेबल ने गोली मारकर आत्महत्या की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला जेल में अज्ञात कारणों के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने वाले कांस्टेबल का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार - रविवार की मध्य रात्रि को ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल रामकिशोर मोडीवाला पिता पोलुराम जाट की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई थी। इस घटना का पता तब चला जब ड्यूटी पर रिलीव करने के लिए दूसरा कांस्टेबल वॉच टॉवर के नीचे पहुंचा और उसने कांस्टेबल रामकिशोर को आवाज दी, लेकिन राम किशोर ने कोई जवाब नहीं दिया तो संदेह पर अन्य कांस्टेबल बाबूलाल ने जब टावर पर जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। खून से लथपथ रामकिशोर को देखकर उसने तत्काल उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के साथ ही अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक पारस जैन और जेल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम की मदद से पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर मृतक के शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया और उसके परिजनों को सूचना दी। रविवार की सुबह परिजनों के आने के बाद मृतक के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में सामना आया है कि राइफल ऑटोमेटिक मोड पर थी। इस राइफल से तीन फायर एक साथ होते हैं। घटनास्थल पर भी तीन फायर हुए जिसमें से एक गोली लेफ्ट साइड में से बॉडी में इंटर हुई और बैक साइड से बाहर निकली, जबकि दो राउंड हवा में

मृतक कांस्टेबल का फाइल फोटो।

दो गोलियों के खोल वॉच टॉवर पर मिले, जबकि एक गोली का खोल टावर के नीचे मिला है। यही नहीं घटना से 3 घंटे पहले कांस्टेबल रामकिशोर ने अपनी फेसबुक आईडी पर एक पोस्ट किया था जिसमें लिखा था कि जिंदगी में जब भी अवसर मिले तो उसका पूरा आनंद लेना चाहिए क्योंकि यह ज्ञात नहीं की कौन सी रात आखिरी हो।

जानकारी के अनुसार कांस्टेबल रामकिशोर अजमेर में किशनगढ़ के पास हरमाड़ा गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि कांस्टेबल रामकिशोर शनिवार को ही छुट्टी से लौटा था और शाम छह से रात दस बजे तक उसका पहरा ड्यूटी थी। उसके चचेरे भाई एयरफोर्स में एयरमैन के पद पर कार्यरत ओमप्रकाश ने कहा कि किसी भी एंगल से यह सुसाइड नहीं है, हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे, लेकिन मौके की परिस्थितियों के आधार पर कहना है कि उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। मृतक कॉन्स्टेबल रामकिशोर के भाई नानूराम ने कोतवाली थाने में संदिग्ध हालत में मौत की रिपोर्ट दी है, जिसकी पुलिस गहनता से जांच एक रही है।

विवाहित महिला ने लगाई फांसी

हलैना/भरतपुर, (निसं)। गांव नेवाडा में 23 साल की विवाहित का महिला ने आत्महत्या कर ली, जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार जनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी राम अवतार मीणा ने बताया कि गांव नेवाडा निवासी शिक्षा पत्नी पुष्पेन्द्र मीणा ने अपने मकान मे चुन्नी से फंदा बनाकर छत के कुंदे से बाँध कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका शिक्षा के परिजनों को सूचित कर दिया। मौके पर रामेश्वरसिंह स.उ.नि. के द्वारा मृतका शिक्षा की लाश को मोर्चरी सीएचसी हलैना में रखवाया।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगी, हादसा टला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बोरानाडा में हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची चार दमकलों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बासनी फायर अधिकारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बोरानाडा इलाके में स्थित एक हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर बासनी फायर ब्रिगेड विभाग से दो दमकलों को रवाना किया गया। वहीं बोरानाडा स्थित अग्निशमन विभाग से भी दो दमकल मौके पर भेजी गई। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बॉयलर में लगी आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि यह आग बॉयलर के बाहर नहीं फैली, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। अगर आग फैक्टरी में फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग बुझाने वाली टीम में बासनी अधिकारी प्रशांत सिंह चौहान, फायर मैन निंबाराम, फायरमैन अंकित ,भविष्य, अजय सिंह, राकेश, रामजीत, हेताराम , संजीव, राजेश, महेंद्र आदि शामिल रहे।

दुकान से हजारों की नगदी चोरी

छबड़ा, (निसं)। स्टेशन रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर से लगभग ग्यारह हजार की नगदी चोरी हो गई। पीड़ित ने थाने में परिवाद दिया है। मुरलीधर मालव द्वारा दिये परिवाद में बताया कि दो दिन पूर्व स्टेशन रोड स्थित उसकी धरणीधर मेडिकल स्टोर से वह प्रतिदिन की भांति रात साढ़े दस बजे घर चला गया था। सुबह हरीश झाम्ब द्वारा सूचना देने पर मौके पर पहुंचा तो यहां सभी सामान अस्त-व्यस्त पड़े हुए थे। कैमरा भी टूटा हुआ था। गल्ले का ताला भी टूटा हुआ मिला, जिसमें रखी 11 हजार की नगदी चोर चुरा ले गए।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे ने धमकी देकर व्यवसायी से दो करोड़ की फिरौती मांगी

बीकानेर, (निसं)। गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे ने लालगढ़ में गांधी कॉलोनी निवासी व्यवसायी को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है।

गांधी कॉलोनी निवासी व्यवसायी राजकुमार चौधरी क्रेन, टायर के व्यवसायी हैं। गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे राहुल रिणेव ने राजाराम को दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है।

- फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे और परिवार को जान से मारने की धमकी दी

गैंगस्टर ने 5 नवंबर की शाम को 4.25 बजे विदेशी नंबर से व्हाट्सअप कॉल किया और धमकी दी। उसके बाद 6 नवंबर की रात 8 बजे फोन किया। रिसीव नहीं करने पर व्यवसायी को वॉयस नोट भेजा। फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे और परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

व्यवसायी ने इसकी रिपोर्ट पुलिस को दी। उसकी रिपोर्ट पर बीछवाल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक व्यवसायी की सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। उसके घर और आसपास निगरानी बढ़ा दी है।

नशीली गोलियों के साथ एक गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। यहां बांडा कॉलोनी चौकी पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली गोलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 5130 नशीली गोलियों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान सुखप्रीत सिंह पुत्र देवसिंह निवासी 1 बीएसएम अनूपगढ़ के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी एएसआई कालू राम मीणा ने बताया कि देर शाम उनकी टीम चक 2 बीएसएम में गश्त कर रही थी। इसी दौरान आम रास्ते पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसका नाम-पता पूछा। शक होने पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से प्रतिबंधित प्रीगाबालिन और टेम्पटाडोल की कुल 5130 नशीली गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

करंट लगने दो भाइयों की मौत

टोंक, (निसं)। पीपलू थाना क्षेत्र के बलखंडिया गांव में दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई। रविवार को खेत पर जाते समय रास्ते में बिजली के टूटे तार पर पैर टच होने से उन्हें करंट लग गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में मौके पर पहुंचे गुस्साये ग्रामीणों व परिजनों ने दोनों शवों को हादसा स्थल पर ही रखकर प्रदर्शन कर किया तथा मृतकों के परिजनों को मुआवजा, आश्रितों को संविदा पर नौकरी और अन्य मांगों पर अड़े रहे। बाद में सूचना पर पहुंचे पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने परिजनों व ग्रामीणों से समझाईश की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों को पूरा करने के बाद ही शव को उठाने के लिए अड़े रहे।

इस दौरान ग्रामीणों का कहना है कि बिजली निगम की लापरवाही से बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे। इसी कारण यह हादसा हुआ, जिसके कारण

- खेत पर जाते समय रास्ते में बिजली के टूटे तार पर पैर टच होने से करंट लग गया था
- घटनास्थल पर ही गुस्साये ग्रामीणों व परिजनों ने मांगों को लेकर शवों को हादसा स्थल पर रखकर प्रदर्शन किया

हादसे में मृतकों के आश्रितों को मुआवजा और नौकरी की मांगें पूरी करें। घटना के बाद बिजली निगम कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और बिजली सप्लाई बंद करवाकर तारों को एक तरफ करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में रामनारायण (35) एवं हरलाल (26) पुत्र मंगला बलाई की मौत हुई है, जो भोपता नाले पर बनी नहर से होकर खेत पर जो रहे थे। वहीं नहर के ऊपर से एग्रीकल्चर की बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे, जिन पर दोनों भाई के पैर टच हो गए और करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे किसानों की सूचना के बाद परिजन व थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। ग्रामीणो के प्रदर्शन के बाद पीपलू उपखण्ड अधिकारी गणराज बड़गोती, बिजली निगम के एसई के.एल. पटेल, एक्सईएन मोहर सिंह मीणा, पीपलू डीएसपी अरविंद, नायब तहसीलदार प्रभुलाल, पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह, झिराना थाना प्रभारी हरिमन पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाइश की।

तालाब में युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके के किशोर सागर तालाब में रविवार को एक युवक का शव तैरता हुआ मिला, लोगो ने इसकी सूचना पुलिस को दी,सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर शव को तालाब से बाहर निकाला गया। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि बाराहद्वारी स्थित किशोर सागर तालाब में युवक का शव तैरने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि किशोर सागर तालाब में मिले मृतक युवक की शिनाख्त केशवपुरा निवासी गौरव सिंह के रूप में हुई है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने बताया कि गौरव की सगाई टुटने से गौरव मानसिक डिप्रेशन में था और दो तीन दिन से लापता था जिसकी तलाश कर रहे थे।प्रथम दृष्टा से सुसाईड का मामला लग रहा है।

ट्रेन में यात्री का छूटा बैग सुरक्षित लौटाया

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सवाई माधोपुर एवं आउट पोस्ट गंगापुर सिटी के जवानों ने अपनी सतर्कता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक यात्री का छूटा हुआ ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग सुरक्षित रूप से उसके मालिक को लौटाया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सवाई माधोपुर को सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 19019 के कोच संख्या बी-3 की सीट संख्या 72 पर यात्रा कर रहे यात्री का ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग गाड़ी में ही छूट गया है। सूचना मिलते ही प्रधान आरक्षक कालूराम मीणा द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। गाड़ी के गंगापुर सिटी स्टेशन पर पहुंचने पर संबंधित कोच का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान सीट संख्या 71 के नीचे एक ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग

- बैग में रखे सामान की किमत करीब 52 हजार रुपये थी

लावारिस हालत में पाया गया। उक्त बैग को रेलवे सुरक्षा बल कार्यालय, गंगापुर सिटी में सुरक्षित जमा किया गया। बाद में यात्री नीरज वाल्मीकि, निवासी गोंडा (उत्तर प्रदेश) कार्यालय में उपस्थित हुआ तथा अपने आधार कार्ड और रेल टिकट प्रस्तुत कर उक्त बैग को अपना बताया। यात्री ने बताया कि बैग में लैपटॉप, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और पुराने कपड़े थे, जिनकी अनुमानित कीमत 52,000 रुपये थी। गवाहों की उपस्थिति में संपूर्ण जांच एवं पुष्टि के बाद रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यात्री को उसका बैग सही सलामत लौटा दिया।

अज्ञात महिला का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र के मंडपिया खेल मैदान पर रविवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के शरीर पर चोट के गहरे निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव के पास एक मोबाइल फोन, टिफिन और एक फैक्टरी के रेस्टोरेंट का कूपन भी मिला है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक महिला संभवत: फैक्टरी मजदूर हो सकती है। मंगरोप थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधिकारी शव की शिनाख्त और हत्या के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं। इस संबंध में एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस अब सभी सुराग जुटाकर शिनाख्त और हत्यारोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

मां-बेटी के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, आरोपियों को मुकुंदरा के जंगलों से किया गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके के रोजड़ी में मां और उसकी मासूम आठ वर्षीय बेटी की गला दबाकर की गई हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्या के दो आरोपियों को मुकंदरा के जंगल से गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि 60 हजार रूपयों के लेन-देन को लेकर मुख्य आरोपी ने दो साथियों के साथ मिलकर मां-बेटी की थी गला दबाकर हत्या की थी।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आरकेपुरम में मां-बेटी की निर्मम हत्या की सूचना एवं घटना की संवेदनशीलता को देखते हुये घटनास्थल पर पहुंचे तथा एमओबी एफएसएल, डॉग स्काव्ड की टीमें घटनास्थल पर पहुँची एवं गहन जांच कर साक्ष्य जुटाये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरियादी प्रशांत वैष्णव ने रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसके जीजाजी भगवान वैष्णव जो कि कोटा के निजी अस्पताल में लैब टेक्निशियन है, 7 नवम्बर की शाम को जब उन्होंने घर आकर देखा तो मेरी बहन ज्योति वैष्णव व मेरी भांजी पलक वैष्णव को अचेत अवस्था में घर में पड़ा हुआ पाया जिनको अस्पताल लेकर गये,

आरकेपुरम में मां-बेटी की हत्या के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जहाँ डॉक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में अपराधियों की शीघ्र गिरफतारी हेतु आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू एवं अनंतपुरा थानाधिकारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग वृत्त स्तर पर 16 पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने मुखबिर व आसूचना संकलन के आधार पर प्रकरण में हत्या करने वाले 2 आरोपी प्रदीप वैष्णव व भरत को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी एवं मृतका पहले से एक-दूसरे को जानते थे। मामले मे एक अन्य फरार मुलजिम राजु उर्फ मामू की तलाश जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी प्रदीप वैष्णव ने बताया कि वह मृतका ज्योति वैष्णव को काफी सालों से जानता है। वह वर्तमान में भी उससे बातचीत करता है एवं कभी कभार कोटा आकर मृतका से मिलता था। कुछ महिने पूर्व उसने मृतका को 60 हजार रूपये उधार दिये थे और जब ज्योति वैष्णव से पैसे वापस मांगे तो ज्योति वैष्णव ने रूपये देने से इंकार कर दिया।

- 60 हजार रूपयों के लेन-देन को लेकर मां-बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी थी

इस बात पर दोनों के बीच में लड़ाई हो गई थी तभी से उसने ठान लिया था कि मैं ज्योती को जान से मार दूंगा, जिस पर आरोपी प्रदीप ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ज्योति को मारने की साजिश रची। हत्या के एक दिन पूर्व भी मुलजिमान मृतका के घर आये थे, लेकिन मौका नहीं मिलने के कारण हत्या को अंजाम नहीं दे पाये थे तथा कोटा रहकर अगले दिन 7 नवम्बर को दोबारा ज्योति के पति के घर से निकलते ही घर में घुसकर ज्योति को अकेला पाकर रसोई में चुन्नी से गला दबाकर मार रहे थे। तभी ज्योति की बेटी पलक स्कूल से घर के अंदर आ गई जिसने हमें उसकी माँ ज्योती को मारते हुये देख लिया था। पलक के चिल्लाने पर उसका मुंह व गला दबाकर हत्या कर ज्योति के मंगलसूत्र कानों के टॉपस खोलकर व अलमारी में रखे अन्य सामानों को लूटकर फरार हो गये थे।

घायल वृद्धा को शिक्षा मंत्री दिलावर ने अस्पताल पहुंचाया

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने घायल महिला को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया।

अजमेर, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर अपनी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। रविवार को अजमेर से नागौर जाते समय रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क दुर्घटना में घायल हुई एक वृद्ध महिला को उन्होंने अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का काफिला जब पुष्कर मार्ग से गुजर रहा था, तभी सामने से आ

- पुष्कर मार्ग पर बाइक सवार वृद्धा अचानक गिरकर बेहोश हो गई थी

रहा मोटरसाइकल पर सवार वृद्धा अचानक गिरकर बेहोश हो गई। यह देखकर दिलावर ने तुरंत गाड़ी रुकवाई, खुद महिला की मदद के लिए दौड़े और अपने वाहन से राजकीय उपचिकित्सा केंद्र पुष्कर पहुंचकर उसे भर्ती कराया। उन्होंने चिकित्सक अभिजीत को निर्देश दिए कि महिला को बेहतर उपचार और सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये। घायल महिला लाली रावत पत्नी रतनलाल रावत (48) निवासी बड़ी होकरा, थाना पुष्कर बताई गई है, जो अपने पुत्र लक्ष्मण के साथ अजमेर आ रही थी। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत फिलहाल स्थिर है।